



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम
दैनिक भास्कर

दिनांक
३०.१.२२

पृष्ठ संख्या

कॉलम

एविक के संचालन मंडल की बैठक में बीसी बोले एचएयू ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में तकनीकी और आर्थिक मदद करेगा



मासिक न्यूज़ | हितम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वदूषितों की पहचान करके उन्हें स्टार्टअप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के बीसी प्रो. बीआर कम्बोज ने एग्री विजनेस इन्क्युबेशन सेंटर (एविक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

बीसी ने कहा बोरोजगर युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगर स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एविक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय यांवों में स्टार्टअप के इच्छुक

व्यक्तियों की पहचान करके उन्हें पूरी तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हें स्टार्टअप के लिए उपलब्ध करवाने में पूरी महायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हक्की के एविक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्युबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्युबेटिंग को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नवार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पांडी ने कहा कि एविक को अपनी गतिविधियों को विद्याने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। इस दौरान एविक के निदेशक डॉ. अतूल दीमांडा ने भी विचार रखे। बैठक में नवार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बन्धित पत्र का नाम
दीर्घ भूमि

दिनांक
३. ९. २२

पृष्ठ संख्या
१०

कॉलम
५-४

एवी बिजनेस इन्ड्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक

हक्कवि ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा: काम्बोज

हरियाणा न्यूज़ | हिसार



हिसार। बैठक की अवधारणा करते कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज। फोटो: हरिभूषि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व अर्थिक सहायता उपलब्ध करवाइ जाएगी। वह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने एवी बिजनेस इन्ड्यूबेशन सेंटर (एवीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए

रोजगार के अवसर मुहैया कराने में एवीक उभया कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय ग्रामीण स्टार्ट-अप के इच्छुक उद्यमियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे

स्टार्ट-अप के लिए ऋण उपलब्ध कराने में पूरी सहायता करेगा।

३ साल में १०४ स्टार्टअप्स को दिया प्रशिक्षण: कुलपति ने कहा कि हक्कवि के एवीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में १०४

स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से ६५ केपनियों रजिस्टर की गई है, जिनमें से २७ इनक्यूबेटि को ३.१५ करोड़ रुपये की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स २५० से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

एवीक के कार्यों का सराहा

नावार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाठी ने कहा कि एवीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर सभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नावार्ड देश में अन्न संस्खानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। लेकिन हक्कवि-एवीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। इस दौरान एवीक के निदेशक डॉ. अनुल द्वार्गड़ा ने बताया कि एवीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रॉडबैंड जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हें खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेट कराने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहायता दे रहा है। बैठक में नावार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुड़ा तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम अजीट समाचार	दिनांक ३-९-२२	पृष्ठ संख्या	कॉलम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा : काम्बोज

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक में बोले कुलपति

हिसार, 2 सितम्बर (विरोद वर्षा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वद्धारियों को पहचान करके उन्हें स्टार्ट-अप के लिए उक्तनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह यात्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कहा।

कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में एबीक ठम्डा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इच्छुक व्यक्तियों को पहचान

करके उन्हें पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हें स्टार्ट-अप के लिए दृष्टि उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि इकावि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

नावार्ड के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाणी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए यह संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नावार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उदाहिता

विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हकूमी-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषताएँ पर सराहा। इस दैरान एबीक के निदेशक डॉ. अतुल कौरगांव ने घटाया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके ज्ञापाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हें खुद का व्यवसाय बढ़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके बवाचार को पेटेंट करवाने व ज्ञापाद को मार्केट में बेचने में सहायता दे रहा है। बैठक में नावार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०१२, ३१ दिसंबर	३०.१.२२	४	७-८

ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा छक्रवि

किसार (नियम) : एशी विजनेस इन्डस्ट्रीज़ बोर्ड (एसीआई) के संघालन मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति धौ बीआर काम्बोज ने कहा कि बौद्धरी वरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्व-उद्यमियों की पहचान करके उन्हें स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, आत्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहाय करने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैद्या करवाने में एकीक उम्मा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि छक्रवि के एकीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्ट-अप्स को प्राप्तिकाण व इनकूवैशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनकूवैशन की 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टीजीएसए	03.09.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को देगा बढ़ावा : कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज

हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के

कुलपति ने कहा बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाने में

सहायता करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हक्कीवि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। नावार्ड के चीफ जनरल मैनेजर श्री देवासी पाठी ने कहा कि एबीक को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि नावार्ड देश में अन्य संस्थानों व संस्थाओं को उद्यमिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन हक्की-एबीक का



लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह आत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

एबीक उम्दा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के इन्क्यूक व्यवितरणों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए दुण उपलब्ध करवाने में पूरी

एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के संचालन मंडल की बैठक में बोले कुलपति

प्रदर्शन सभसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषता पर सराहा। इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अनुल दांगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रौसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रॉडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हे खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराज २०२२	02.09.2022	--	--

हकूमि ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप को देगा बढ़ावा : कुलपति

चिराज टाइम्स न्यूज
हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रमियों की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकनीकी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. यो. आर. काम्बोज ने एग्री विजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबीक) के संचालन मंडल की बैठक में कही।

कुलपति ने कहा येरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पूर्हिया करवाने में एबीक उम्मा कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय गांवों में स्टार्ट-अप के



इच्छुक व्यक्तियों की पहचान करके चुकी है। ये स्टार्टअप्स 250 से अधिक उन्हे पूर्ण तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए त्रैण उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता नावाई के चीफ जनरल मैनेजर देवासी पाठी ने कहा कि एबीक को करेगा। उन्होंने कहा यह बड़ी उपलब्धि है कि हकूमि के एबीक ने मात्र तीन साल के अंतराल में 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनियां रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटी को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल दी गयी है। येरोजगार युवाओं को सहायता प्रदान कर रहा है लेकिन

हकूमि-एबीक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की डॉक्यूमेंटेशन की प्रक्रिया को विशेषतोर पर मराहा।

इस दौरान एबीक के निदेशक डॉ. अमूल ढीगड़ा ने बताया कि एबीक युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ड्राइंग जैसे महत्वपूर्ण कारों के लिए मार्गदर्शन करने के साथ उन्हे खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट करवाने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग दे रहा है।

बैठक में नावाई के क्षेत्रीय कार्यालय की चीफ जनरल मैनेजर श्रीमती दीपा गुहा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान सभायात्	02.09.2022	--	--

| ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा एचएचू : कुलपति कम्बोज

02 Sep 2022 19:26:10



अब तक 27 इनकृप्यैट को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिली हिसार, 02 सितम्बर (हि स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रतामिली की पहचान करके उन्हे स्टार्ट-अप के लिए तकालीफी व आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाएं जाएगी।

यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा बीआर कम्बोज से शुक्रवार को एवी विजिलेस इनकृप्यैशन सेटर (एवीक) के संचालन नंबर के बैठक में कही। कुलपति ने कहा वैश्वजार मुद्रांक, उत्तरी, किसानी और कृषि उद्यमियों को स्वरीजार म्यापित करने में सक्षम बनाने और दूसरों के लिए रोजगार के जबाबर मुद्रण करवाने में एवीक उन्होंना कार्य कर रहा है लेकिन अब विश्वविद्यालय ग्रामीणों ने स्टार्ट-अप के दुष्कृत व्यक्तियों की पहचान करके उन्हे पूर्ण तकालीफी जास बढ़ावा देने के साथ उन्हे स्टार्ट-अप के लिए कठुना उपलब्ध करवाने में पूरी सहायता करेगा।

उन्होंने कहा यह यही उपलब्धिय है कि हक्कपि के एवीक ने मात्र तीन साल के अंदरान में 104 स्टार्ट-अप्स की परिकल्पना व इनकृप्यैशन की मात्रा में 65 कंपनियों गजिस्टर की रही है, जिनमें से 27 इनकृप्यैट को 3.15 करोड़ रुपए की अनुदान राशि मिल चुकी है। ये स्टार्ट-अप्स 250 में अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

नावांड के द्वारा जलराज मैनेजर देवासी पाधी ने कहा कि एवीक को जापनी नितिविधियों को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयत्न करते आदिए। उन्होंने भी उपरोक्त केन्द्र के कार्यों की पर्याप्ति की और कहा कि नावांड देश में जन्म सम्बन्धी व संस्कृती की उपलब्धिता विकास के कार्य के लिए आर्थिक मद्दायन प्रदान कर रहा है लेकिन हक्कपि-एवीक का प्रदर्शन सबसे बहुत रहा है। उन्होंने इस केन्द्र की इनकृप्यैट की परिकल्पना को विशेष तौर पर सराहा।

इस दौरान एवीक के विदेशी डॉ. अनुल दीगुडा ने बताया कि एवीक यूआई व किसानों को उनके उन्पाद की पोलिसिज, मूल्य संवर्धन, ऐकेजिंग, सर्विसिंग व गोडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आर्टिशन करने के साथ उन्हे यूट का व्यवसाय बढ़ावा देने के लिए काफी बलाता, लाइसेंस देना, उनके नावांड करवाने व उन्पाद को आंतरिक और वैश्वीक मार्केट में बढ़ावा दे रहा है। बैठक में नावांड के मेंत्रीय कार्यालय की ओर जलराज मैनेजर श्रीमती दीपा गुटा व अन्य महान्य उपस्थित रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम पत्र	02.09.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

पाठ्यक्रम न्यूज

हिसार, 2 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं परिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु गर्भवस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भवस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भवस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की बढ़ि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को

पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भवस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हे बैंडिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अधिकारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भवस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भवस्था के



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण।

दैरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रस्थोत्तर देखभाल और गर्भवस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अनुल दीगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बैंडिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन उपस्थित रहे।